

**LEGISLATIVE ASSEMBLY**  
**NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI**  
**Tuesday, 15 November, 2016 / 24 Kartika, 1938 (Saka)**

**2.00 PM**

**LIST OF BUSINESS**

**NATIONAL SONG-VANDE MATARAM**

**1. Government Resolution (Rule 90):**

**Shri Arvind Kejriwal, Hon'ble Chief Minister to move the following Resolution:**

“The Legislative Assembly of NCT of Delhi having its sitting in Delhi on 15 November, 2016:

**Noting with anger and anguish** that the Hon'ble Prime Minister of India has delivered a huge blow to the common people and economy of India through his address to the nation on 08 November, 2016 at 8 pm;

**Condemning** the way in which the decision to implement the devastating and mysterious demonetization scheme was taken in a most non-transparent and undemocratic manner;

**Expressing** shock over the way in which the Government of India sought to impose upon the nation its ill-conceived, unscientific and draconian scheme which has turned crores and crores of honest Indians into helpless victims;

**Denouncing** the stubbornness being displayed by the Hon'ble Prime Minister in going ahead with implementation of the scheme in a most insensitive manner knowing fully well that he has unleashed untold misery in the lives of honest and hardworking Indians;

**Censuring** the political leadership of the Government of India for perpetuating rank incompetence - in spite of 10 month long preparation as was claimed by the Hon'ble Prime Minister - leading to lethal consequences for the economy and honest people of the country;

**Deploring** the Hon'ble Prime Minister for punishing the common people of India instead of fulfilling his promise of bringing back black money lodged in foreign banks;

**Condoling** the loss of lives of honest Indians while struggling for hours together in unending queues to get back just a few hundred rupees of their own hard earned money through banks and ATMs;

**Warning** the Prime Minister not to insult the common people standing in serpentine queues at Banks and ATMs by calling them corrupt;

**Sympathising** with all those innocent Indians who have been going through most agonizing times for no fault of theirs;

**Sharing** the sorrow of mothers who are unable to feed their children;

**Grieving** with those who lost their near and dear ones due to refusal of treatment by hospitals on account of valid legal tender suddenly being declared invalid by Hon'ble Prime Minister;

**Resolves to urge upon Hon'ble President of India**

to direct the Government of India to withdraw at once the draconian demonetization scheme and

to take necessary steps to institute a high-level probe to be monitored by Hon'ble Supreme Court of India to look into the allegations that the scheme is a fraud on the nation and that it has been launched to benefit a particular political party through its agents in black money market.”

**DELHI**  
**15 November, 2016**

**Prasanna Kumar Suryadevara**  
**Secretary**

**विधान सभा**  
**राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली**  
**मंगलवार, 15 नवम्बर, 2016/24 कार्तिक, 1938 (षक)**  
**2.00 बजे अपराह्न**  
**संशोधित कार्यसूची**  
**राष्ट्रगीत – वन्दे मातरम्**

1. **सरकारी संकल्प (नियम-90):**

**श्री अरविंद केजरीवाल, माननीय मुख्यमंत्री** नियम-90 के अंतर्गत निम्नलिखित संकल्प प्रस्तुत करेंगे:-

“राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधान सभा दिल्ली में दिनांक 15 नवम्बर, 2016 को आयोजित अपनी बैठक में :

**क्रोध और व्यथा के साथ** यह देखते हुए कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 08 नवम्बर, 2016 को रात 8 बजे राष्ट्र के नाम अपने संदेश से आम आदमी और भारत की अर्थव्यवस्था पर गहरा आघात किया है;

जिस प्रकार, विनाशकारी और रहस्यमयी विमुद्रीकरण योजना को लागू करने का निर्णय अत्यधिक गैर पारदर्शी और गैर लोकतांत्रिक ढंग से लिया गया, **उसकी निंदा करते हुए ;**

जिस प्रकार, भारत सरकार ने कुनियोजित, अवैज्ञानिक और निर्मम योजना देश पर थोपकर करोड़ों ईमानदार भारतीयों को असहाय पीड़ितों में परिवर्तित कर दिया है, उसके प्रति **स्तब्धता व्यक्त करते हुए ;**

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दर्शाई गई हठधर्मिता की **निंदा करते हुए** कि योजना के क्रियान्वयन को अत्यधिक असंवेदनशील ढंग से जारी रखा गया है, यह पूरी तरह जानते हुए भी कि उन्होंने ईमानदार तथा मेहनती भारतीयों के जीवन में घोर मुसीबत डाल दी है;

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दस महीने की लम्बी तैयारी करने के दावे के बावजूद, देश की अर्थव्यवस्था और ईमानदार जनता के लिए हानिकारक साबित हुई अक्षमता को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के राजनीतिक नेतृत्व की **कड़ी आलोचना** करते हुए ;

विदेशी बैंकों में जमा काले धन को वापिस लाने के अपने वायदे को पूरा करने की बजाय आम आदमी को दंडित करने के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री की **निंदा करते हुए ;**

बैंकों और ए.टी.एम. से अपने कष्टोपार्जित धन के कुछ सौ रूपयों को वापिस लेने के लिए लम्बी लाइनों में घंटों संघर्ष करते हुए ईमानदार भारतीयों की हुई जीवन क्षति के प्रति **संवेदना व्यक्त करते हुए ;**

प्रधानमंत्री को यह **चेतावनी देते हुए** कि बैंकों और ए.टी.एम पर सर्पिलाकार लाइनों में खड़े हुए आम आदमी को भ्रष्ट कहकर उनका अपमान न करें;

अपना कोई दोष न होने के बावजूद अत्यधिक संघर्षपूर्ण दौर से गुजरने वाले मासूम भारतीयों के प्रति **सहानुभूति प्रकट करते हुए ;**

उन माताओं की **पीड़ा को बांटते हुए** जो अपने बच्चों की भूख को शांत करने में असमर्थ हो गई हैं; उन व्यक्तियों के **दुःख को बांटते हुए**, जिन्होंने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा अचानक वैध धन को अवैध घोषित करने से अस्पतालों द्वारा ईलाज करने से मना करने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया;

**भारत के माननीय राष्ट्रपति से यह अनुरोध करने का संकल्प करती है कि :**

इस निर्मम योजना को तत्काल वापिस लेने के लिए भारत सरकार को निर्देश दें और

इन आरोपों की जांच करने के लिए कि यह योजना देश के साथ एक प्रकार का धोखा है और इसे एक विशेष राजनीतिक दल को काले धन के बाजार में अपने एजेंटों के माध्यम से फायदा पहुंचाने के लिए लागू किया गया है;

भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के निरीक्षण में उच्च स्तरीय जांच का गठन करने के लिए आवश्यक कदम उठाये।”